तुम भी तो कभी-कभी अचरज में पड़ जाते होगे कि वैज्ञानिक इन छोटे-छोटे जीवों के बारे में इतनी सारी जानकारियाँ पता कैसे करते हैं। आसान-सी नज़र आने वाली ये बातें दरअसल ऐसी हैं नहीं। लम्बे समय तक इन नन्हे जीवों की हर हरकत पर नज़र रखी जाती है। कई प्रयोग किए जाते हैं। तब जाकर किसी नतीजे पर पहुँचा जाता है।

चाहो तो तुम भी अपने घर-बगीचे की चींटियों की कुछ हरकतें देख सकते हो। इस तरह तुम्हें उनके जीवन के बारे में और गहराई से पता चलेगा। साथ ही तुम्हें इसकी भी एक झलक मिलेगी कि वैज्ञानिक जानकारियाँ किस तरह इकट्ठा करते हैं।

जो कुछ भी हम जानते हैं वो जानते कैसे हैं?

अपने घर या बगीचे में एक ऐसी जगह ढूँढो जहाँ चींटियों की बस्ती हो सकती हो। बस्ती के एकदम पास बैठकर इन बातों पर ध्यान दो।

- चींटियों का रंग।
- ध्यान से देखो। हो सके तो लेंस से देखो। तुम्हें कितने अलग-अलग आकार की चींटियाँ दिखाई देती हैं? उनके चित्र बनाओ।
- ये चींटियाँ क्या कर रही हैं? सामने से आ रही किसी चींटी से जब कोई चींटी मिलती है तो क्या करती हैं?
- गुड़ या शक्कर या फिर रोटी को ऐसी जगह रखो जहाँ पर चींटियाँ ना हों। ज़रा ध्यान से देखो-

  उस जगह पर पहली चींटी कितनी देर में आई?

  अगली 5 चींटियाँ वहाँ कितनी देर में पहुँचीं?

  क्या ये चींटियाँ अपने घर से उस जगह तक सीधी रास्ते से आई हैं या उनका रास्ता टेढ़ा-मेढ़ा है? क्या सारी चीटियाँ उसी रास्ते से टुकड़े तक पहुँची हैं?

  चींटियाँ भोजन को वहीं पर खाने लगती हैं या फिर उसे अपने घर ले जाती हैं?

तुम कुछ और चीज़ें भी नोट कर सकते हो। और अपने प्रयोग कर सकते हो। जो भी प्रयोग करो उन्हें चकमक को ज़रूर लिख भेजना। चकमक

इनक्रैडिबल इंसेक्ट्स से साभार